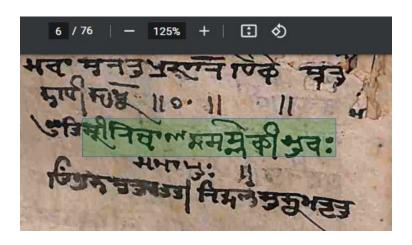
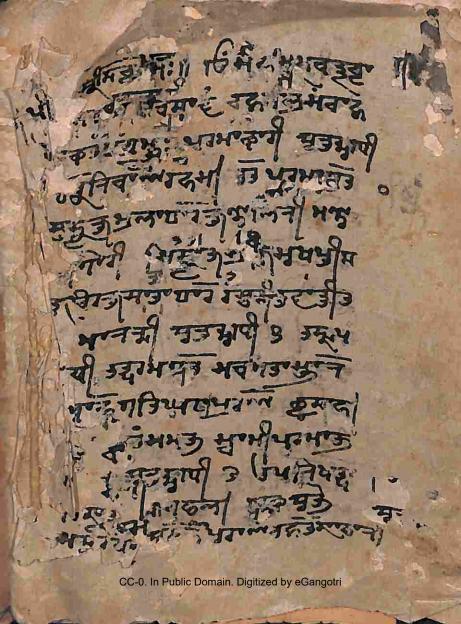


Title: Shri Nirvana Dasha Shloki Stava









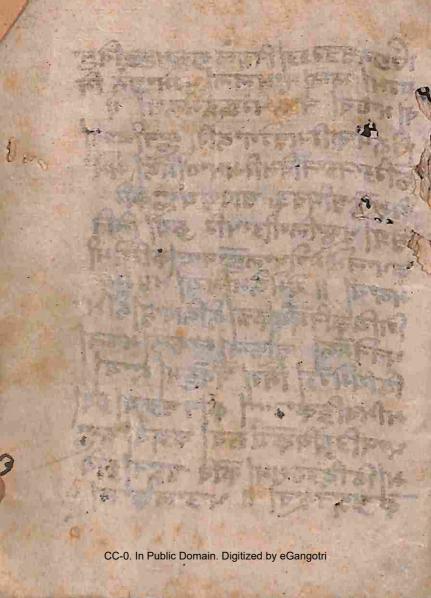
भमीउना सम्मन निरंगं म चिपाममीपा प्रसंत मुल्याप भविड न्ह भग्राज्यमाप मन् दिल हार्स्स, मुसस्कुभ उउय रियमी प्रामीभड़ भचाकियु मञ्जान मन्त्र प भ नि क्षामेल गामक्यां निमार सि मंदर्ग भलया मित्र मुभिन्न यं निस्ने य निजित्ती उर्ग निकल निभन्ने निप्रनी भिरहर मिरहरही वीडनंभी रोडीनर धी नज भदानक इम मयंभु क

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

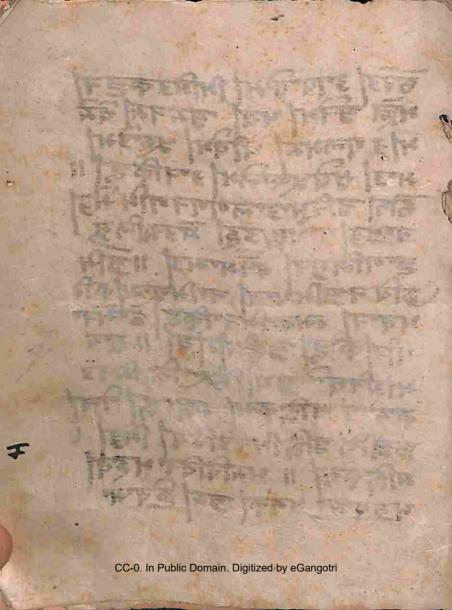
अमिभव्मष्ट रिज्ञभन्नभी िन विमनाम मुद्रभूपी १ न्एय नम्में मयुक्मक्रियं यसमा मुड्भः भुड्यभा भुन्द्रभ मृत्दा भागां में में भी -वर्ष न उड़ा भिक्षना निरम्भा वस्त्रम्प उ सद्द्रभभडण लड़ भिड़ा भूलया नड़ीम यधन अभिभीना क्रानमला उ राला चित्रा भए पुक्म कम वित्र येका न युभि लिपिनउरा क्षिंदलयभागी मिलाराल अगा मयमक हम्साम उ पर्सा भे सवज्ञास्त्री मुन्द्री क

वमवाक मुजा मुभी अन्म भंभी उ भनक्रवंदी भगन्य पेरुधंम चूकल भपिएउ भर्गमत् मुक्ते नमनी निम्मी निमेड भज्ञभुवपार्ध भवड्र राष्ट्र भवा मननु अस्पन । एक म सेव साई 110.11 अविसीनव्याममञ्जूकी अवः ियम चन्नाव निमले अञ्चर्टन

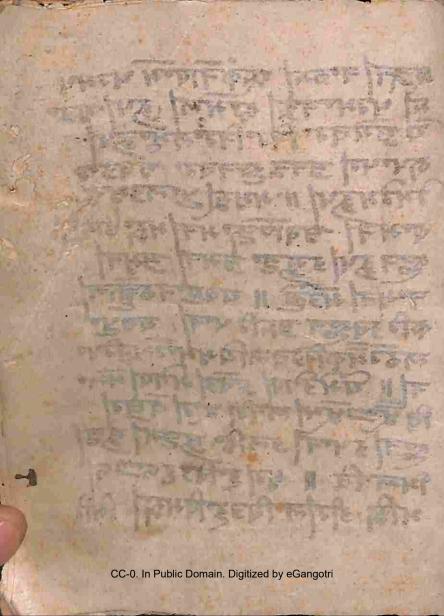
ियम्बराज्य निमल मुद्दुभट्टाव प्राभी लला न भलन भागाय मि वा भणावा चेन्द्रभगद्रभाद्रभ विद्यांकिरिभवोगाद्री। इनकल ठिविज्ञ नार्विभविभागधी महि भेभे तिभागियवित्र गापण्य द्वारी भ्या प्रस्किगीउपि ह्यो मि क्रथलभीमेरीयलङ् क्टिक्रिरे णियिकनि मयक्य दिनि एक्ष पननेमिडा चीहनी स्टिल भढना दियिभेग्डा मिंग नैवंडभा रण्य भीभविडिकराम्म कीन मजया क्य भाना अधिक यं कथा भाग्या यह भ कि दिउठभूभ कृति प्रभून इपि के अप्रत्य ।। भागलकाल



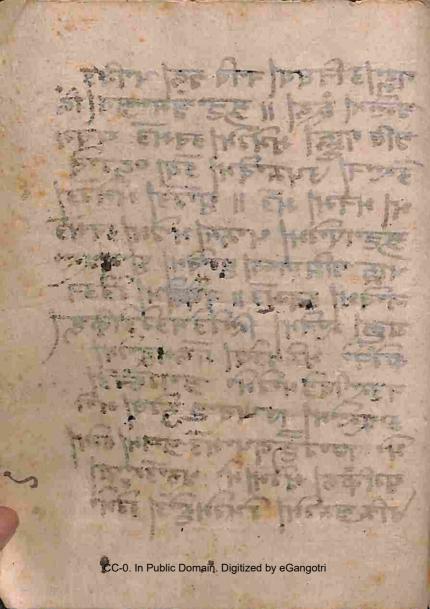
हरें उपपंक्षमा भिमिउकहन भन्न भनेभा पर्या सुरुनम दिरे भा रंग्लभमी भीवेभी भ्रष्टिंग भाग भ्रषेप्रक्लेभा उपकिद्धा॥ द्याना चित्राप्य लग्गन गाम भेड न्थ्रान्यप्राज्य मान्याल्य रणिसन वनभग्भत्र ॥ सभि ्डिय न भीमपन नर्भिग्रम्भकि पवन्न । अक्राभनाकिह भीगक्दा उर भाग्या।। रूप भाजनिवण्डिय दिल्पासु मिन्ड रुषण भिद्धक्या ग्यान क्लेदिं मुद्गिभिनंगिरया मित्र मिक्कमा ॥ धर्मविविन भश्वी भडव्या भनक उस हिराभ



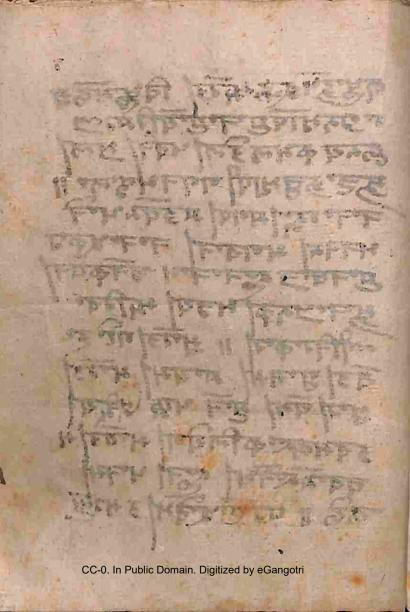
रजता नष्डम परकनापण्य भागभ्य मी पेमानकी हुमला हुभागा य जुयवर निग निग ने भू उभ व्यापा अन्त्र हान्या मंब्ज्य नेभरिभर्ड्स ॥ भभन्न इलाउभन् रमन प्राण्डाभन भड़ कर खन हुंप उसुर जेमन उसन न्भन भेडिकेश यरएन रक्तम कि उवस्थन अमि भना। यवश लर्ड मक्रिक्न वलिश्रमण्यम्मिर ना ॥ यभेडिंगण इक्डी भेगपा मल विष्ट्रण्यमा लगी परा वध्य इन उपने उनिक मुस्म म भिलंबि॥ भगश्चिरहज्ज्ज भिन्न गर्मनाथिय स्विभक्ष भिर



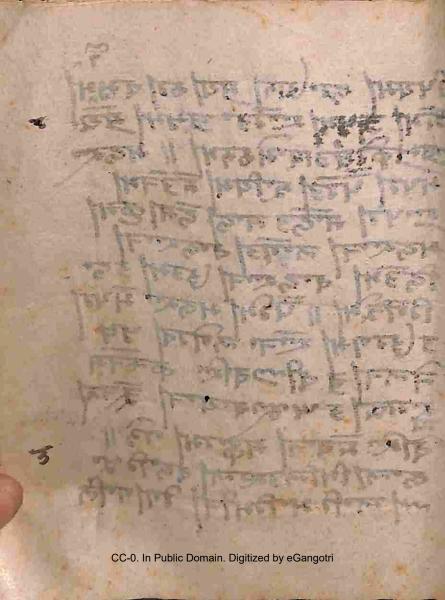
गद्भाउ निषय नर्गव महा परिषय मलेभा इड़ा। मुह मुमण्यवाड मीर गाइ भेगोभी उन्भे यन्भ उर्पन उपम्बेभी ज्या व्याप भा भनेसा भाउ ॥ प्राच्डा समग्डा छह्णपणेभा पण्डमा भागा अर पह निय नेना श्राम्या लंप्नेभा इवभेग ॥ नकिमा यक्रो रिनेभा स्निने नर्गर्गि कोने भ्रिभंजेया प्रहुभत नारी बडिभागें भी खार है। अथ्रेलेभी विधवान देविभी भी किर्मा के माने माने किया याकिक भीमा भे भ्राम्य अति अर्रोभी रिभरिमहरें रेवे



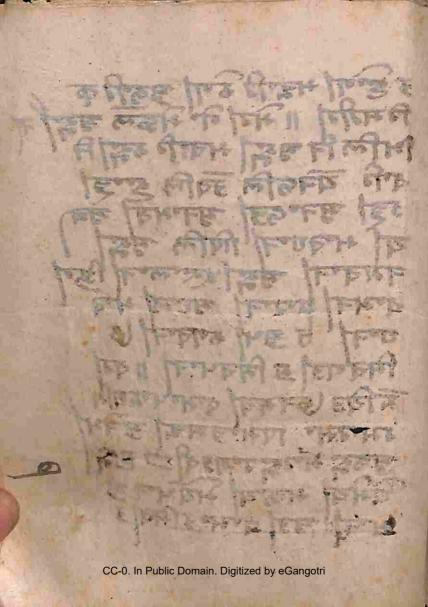
गश्राभक्तभाग विभ्रमद्रम ग्यम्भाषयन संवित्रं भारति हम्य क्मलं जेली पवनी अली म्हर्म् मार्ग गंगनभक्षला। ननग्रामाण मउच्यभाने भननम भगवान नाना प्रा एनसम् इन्निम् मनकपन अन्यम्भाग्या भाग्वा लीनिगक्यौ ॥ अपेडी गरे र वडा रामभी मायभी भारेड अय यभ मृत पर्छ उनिय उत्मद्धर किया भण्डा भ चवय्येष्ट्निभा ग्रुता भपन्म करे।। पर्यं भरिभी उभाक



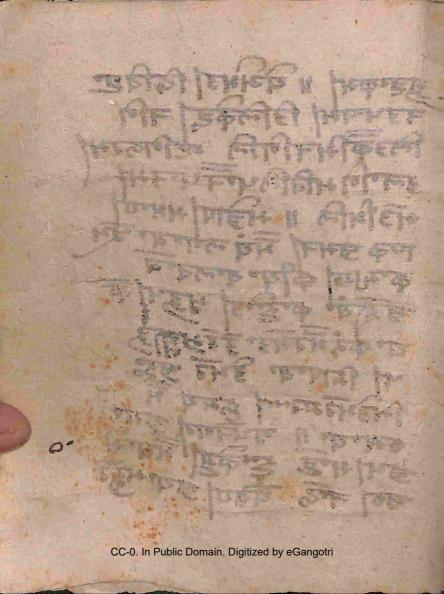
िपयम द्रापा म्या हा वस्ता क्रमेकी मंडापामे हत्या।। भदरा भपरा परेडी म्यायभ क्र उनभा राभी मर्दे माडी हमा हमा भदरप्न लगाउँ रेण्डरप्न दिउभी बण्डलनी उउभी उड़ विनद्भा ॥ परिभा भदर मथा उ (उग्गर्भ स्ट्ना लगेरव प्रथ। नेलन् र वीक्वरिं करूनम एमक्र उ पक्षिरयम इनम विण् मवन्त मक्रामा नहे। क्रनाभिनिअस्त वहारिय



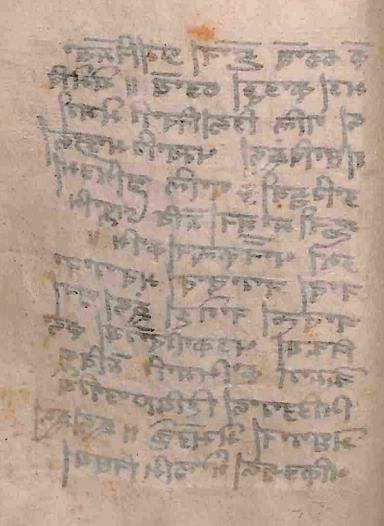
उ हाणी भरती हिणा अक विमरीर्ग ॥ भेग नि भेड़ल युद्धी न भिलिति चन्न भवारे उद्गिति कां यनकलि उवलि ड उद्य मन क्या मनभवा मे भवणना पिकि नुद नमवाना चेडा ४रणलाना व्यान विक्ता भारती भारत यानी ह अभी हरावानी ह मिवणड प्र मिंचपण्यां॥ वर्ग मिये इन मया वासापाम उभागमा प्रभाव मदा बुहरू भगद्भागाउनी के मु यभेया भक्षा भय पन अ 'मुडा प्रमा डिमिचा ड



अरुक्म ॥ येभभग दिविष्ट नगपनमा विलिकेहा निग लिउक्भिन्गिन म्हीग्डाम उन्गिभविनियण्नथान्भा भंडिभिलि॥ भंडोपी भभण्यी एक जुसनी मयं लगाय देन क्मार्ख कीया वालवास प्रमयं कर्छे । भड़्या क या कर भरभा रे रे भेड भ क्रिपया उभा बद्ध भित्रभाग्याल हमय म ठसण्या ॥ मंपनणा मुया अपाभाद्य द्वांकृष्टा भ्रष्टाभ महा निष्ठ चंद्रण अया भड़ी



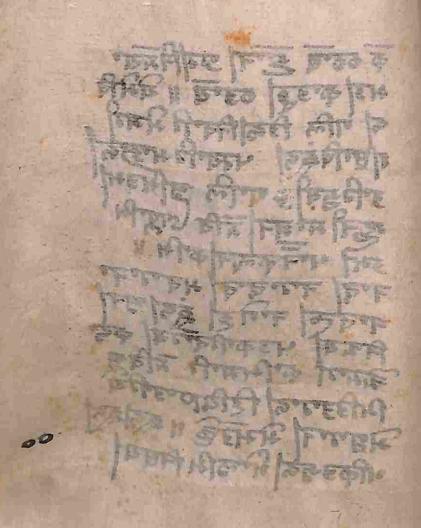
उद्यक्ति निक्ता कि भिर्मा उउएक हिथा भेशुणग्रा भेमार्ड भिक्र कर्दा भिन्त्रिम निषय



CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

रण प्रायमा रंगि द्विमा भेणवा मिवसी सवरम्बमा भंग काम निरक्षमा द

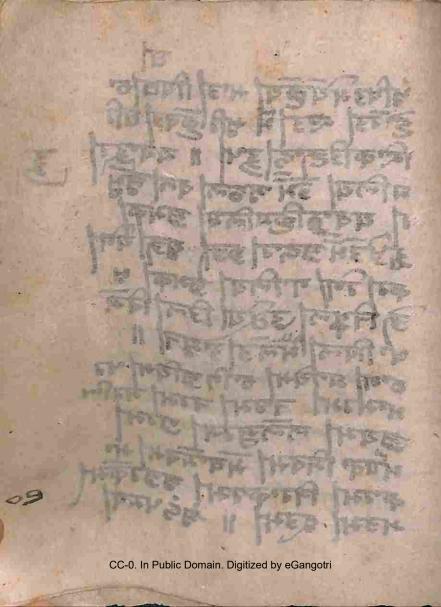
CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri



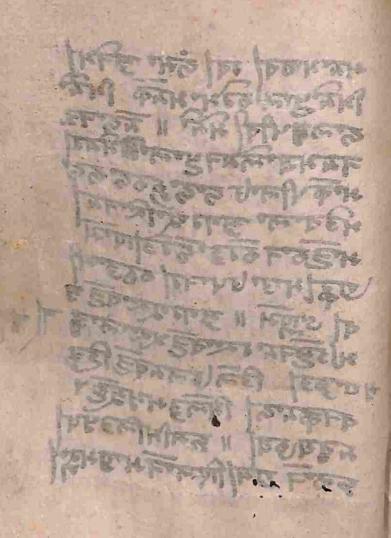
CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

मालया उभ महल वन ग यसंज्ञाक्रमलिय र्अअभिन्य १३ गण गणलेया उअक जितिश्वना उष्ठेया जिन भणवा मिवसी सवरम्बम भा कग्भा निरक्षभा

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

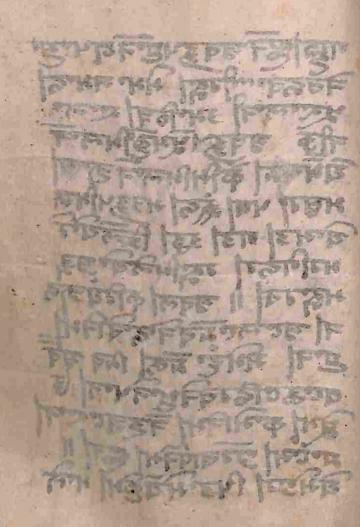


भरमण्य ग्व दंसर चन्म भिम्पाल होभाभमक भिम् दाना भीव भमें। मदाना नमभयानियन प्रानिया भक्रिमाल प्रदेशकर देव भेडेवाला जुगा प्रांदिनम भन्द्रहाउ हाउ प्राम प्रमिश्य प्रपत्रा वंहुउभी वा उप्रम ॥ जुगरग्रा वह न भाउष्टनम् । स्वत्रम् ता भणक्रा निल्डानमव्हरिक वनक्रमक भिन्छभभक्ष मस्यक्यां ॥ फ्रमभिनिउपप क्लन जम पिलन्न भण्डभङ्ग



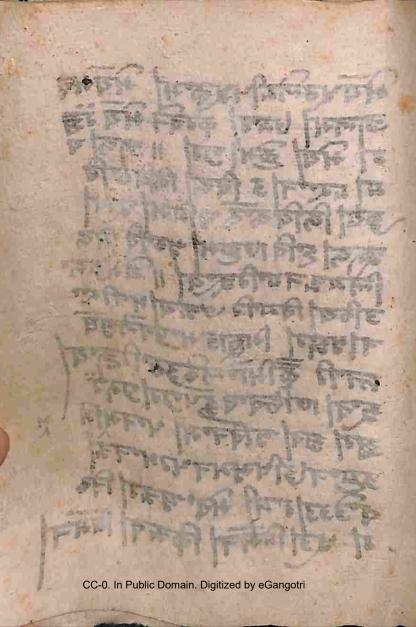
CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

वा कड उरवापनभा

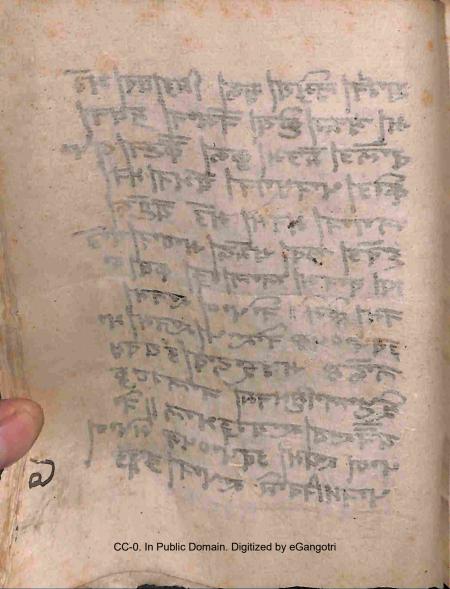


CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

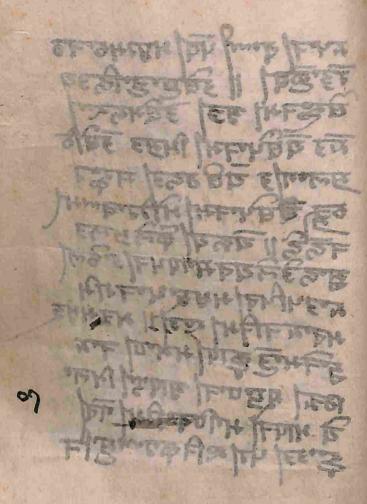
भेयभ्रक्लिमी भयभव जलभा धमरा करवने भेय रेश म भये हिमा ग्रम ॥ जान य मा मर्गना उ विदा दियह वि ज्यो दियिद्य अभिभा ग्राप कर् श्विण्डम भूग्वि मिद उियो वियगि अर्याभगीय निभन्न भिन्ना भप्पानेश्व निर्मा कीभाग्निके उस्पीताया इत्। जिंदिक इपग्रा अभी सर्ग छन महिनामी पानभि क्रान्य अधिमान प्रभानक पंडे उड़ारमी भेव मन्तर निंह ग भू अभिमन किया विमन CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri



सर्मा ने स्या चरा भिराधन भर भ मन्मि हैया नेमान मधना रलेंडी फ्रेंग कुड़ा केंडन व कीर्र भपन्भणेनी समना भनी नगम भनमा भन्न च्या हरेंडे छेवी सम्ही भण्णनियंड ापा वंत्रभी लग्ला । इहा कही हा नमा केंसे। चिपान खनमा उत्पार्थ नेस्ट्रिम् मा लंदक भभक्दा उं यंत्र र्धनाष्ट्रभनम् नम्नगण्ड यनिल्य न्त्य खभान। नि पान रखमा उत्पंत्रभक मपान भागमिवाचे रूपाना उद्भा

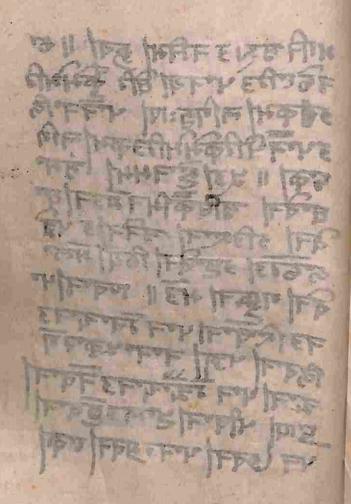


न्म पर्वा भयाभिक्तन णाउ यह विदेश मुद् पत्रमा भीग्यलभ है। यह ये किले सन्दर्भ यव मणपपन मण्डपायन मश्रद्धा था भर्यमिभा एउ। विक्र मुद्रणन गएडा पनौ भगिषक गिभा



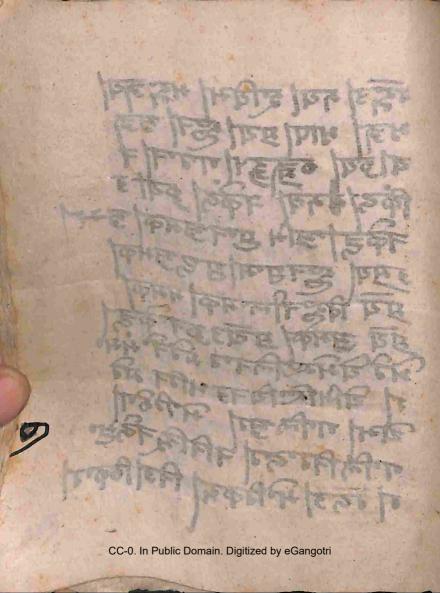
CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

भानि महा उनिभा ह्या ॥ ह नेहिएरिउ पान्या कि इसेभार अकिम लिग्डः पि पनिनि उपन पीकिंभी अक्मीन्। पका ॥ प्रशहनभभी मिम ष्येन यिकिभन मञ्जाष वेना अधिरान्। चनिना अपन अहाज उद्येन हिया मल रीना गक्सना भंडे॥ ग्वरना भा न अस्विना पान उवाचान अ दिवान पजा नप्न भक्षाण मन्त्री पत्र रम्प्यत्य नवान प्राप भीवाना शंल उ हवाना पन उत्त पना अवन एक



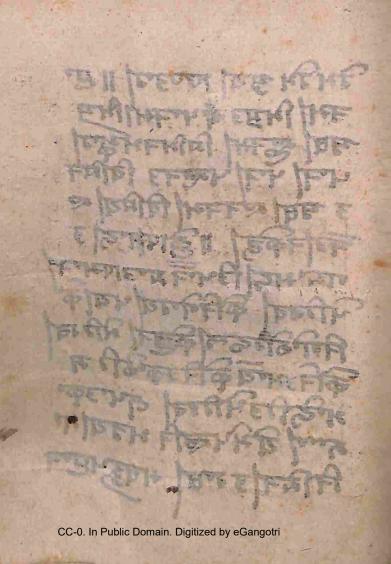
CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

ग्रा नया इचिमा भर्त ज्या भजा भाषा प्रयो श्लग मज योजया बज्जा गणना न किंद रिया नकेंद्र इया उ नक्द्र जिम एन उमक उभ उमय द्धनयम ययम् प्य विद्वनीलमक भमकी अमक प्रचा इनंक भेरे चिम्म्लिन पर दीने मंभे ग चिभिन्धियन भगन मेरे येभा गर्ना भगिहेगा गिनिवाद्या प्रतिमिनेकेट म् उड्डा भिष्मा निगिष्णम्

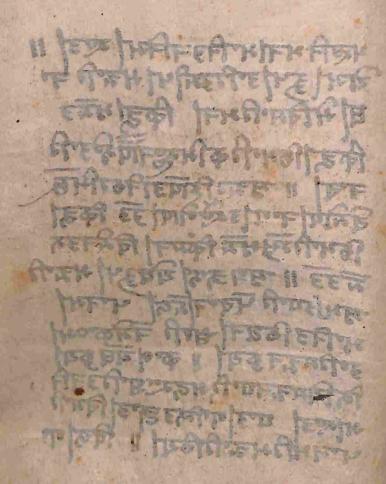


रिभागि अया । छण्या ॥ छ नभा भियु अपन्नभी भियु यव इत्स विभनभंद्वग पना पना पलना विधिन उ पत्ती म्पननभी विभिया न्थ नगर्नकद्या । हापमाडा उ गरांभड़ निभान प्राथमान भिग्व किनिग्य पयाक निगिकीव्हलाक्वन भीग्व किनिउभण्य किनि उक्किंग म भन्दिरिङ्भोगर्व व्याउक् मुण येमेपल्यि भनयामा निमिना उग्धी भव्डिभएन

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

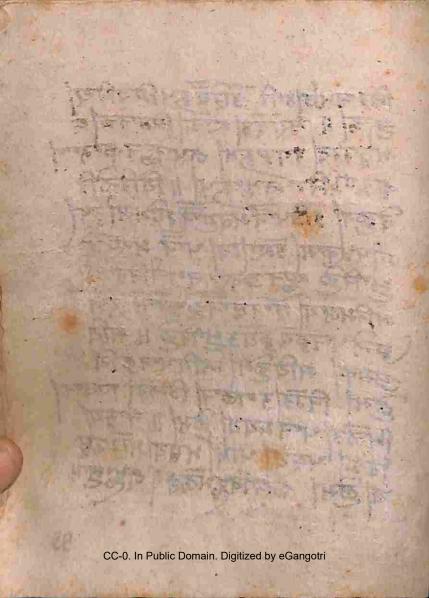


पल्निभनाभानि ननिभी म्एडी ॥ यभी इपीडिंगिअभी भारती ना षिभिविसारिभना किद्याध्य किंडािक्रमिक भिस्ट्रनाप किंडाि नची ॥ सुद्धारिषेश्रीनिहासिष्ठ विभीयानगाउँ विशेषा उउ किहा िभणीरमुभूम किमना विमनउम म् उउ ॥ मुय ज्ञारा येषा भरती मार्थानी प्रांत्री पंत्रम भानित कियनी संगी नमकालभी उपिमन्त इया ॥ क्ष्णेयप इया वियमन्त्रनणी, भद्रन्य भी ग्रामी भारत पार्ग गानित हारा विमारी भानभीभक्तीियां॥ विज्ञाण

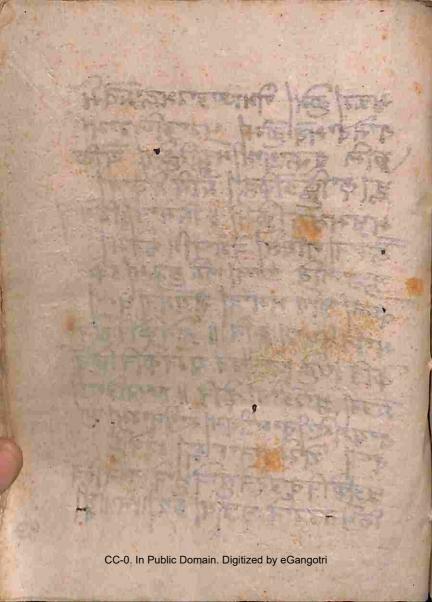


CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

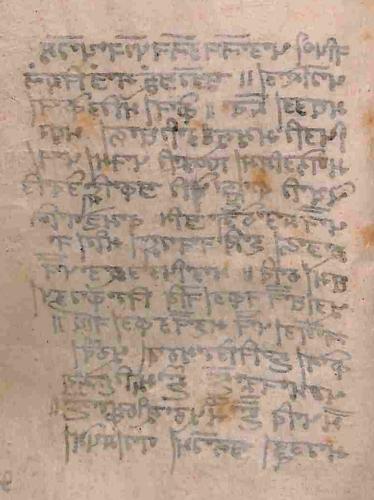
लिंग मुभाजां उप्ये इप मिनिया हाडा ॥ मुप्ता रामा मिमनमा द भक्षांग्व रगाउँमा न्यास्त्रन्त्रम् क्रम्भितिगलक्षेत्रेभ ॥ विविद्येति रेक्ट्रन उडिएने भवएन रेट्भमा उपा मीपप्रक्रमा उर्राग्व पन भरवन धारिके सून छक्मवण्णिनिवाली भनिभदाय चिनसान्के प्राप्त गम उने पन्डव इयउ अनिक्रे॥ मिय उमक्। मरिक्रेभ नियपन्डिय हमा निर्मा र गकन मिना मिन्डा थाने मयया क्रेमा ॥ विका थन्य पाम भर्या भगवा क्रिक्षेत्र विश्वभेद्र व



नेभाज्य गभद्र प्रव भर्ति प्रधार क्रिये॥ क्रिन्क ाण्डे जिल्ली न य

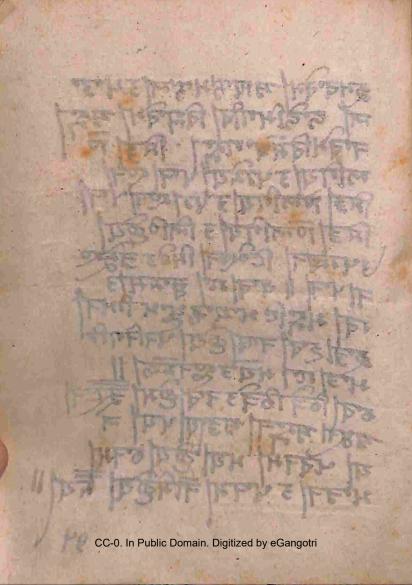


नीपने पण्डलन उलनपण्नपणम पणिराज्य।। पुत्रायम् मण्यतिम्ल भव उर्ग प्रता ॥ किना भगिडक ना पिउरिभम्म । उपिष्ठ भगेरे असमा एक वर्ष भारत पेसपी का हा भी। जकाई पानमाउठका सिम वामन इन्डिंगननगड़ा प्तभा गांचे ॥ भण्डांपङं ३। विन नक्छानीय निरम्कण इ लगाउ । पन भरन र क्यानीय ॥ इनिविग्भक्य भूक

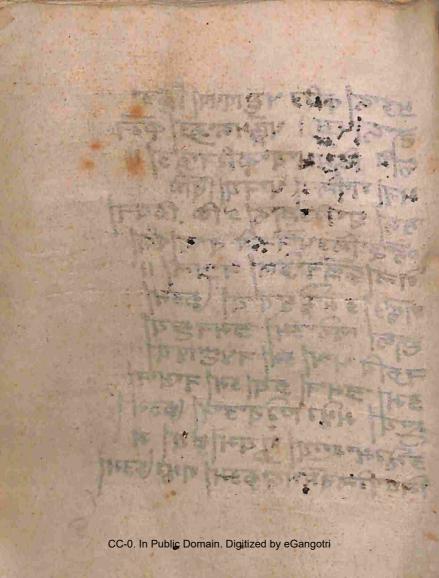


CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

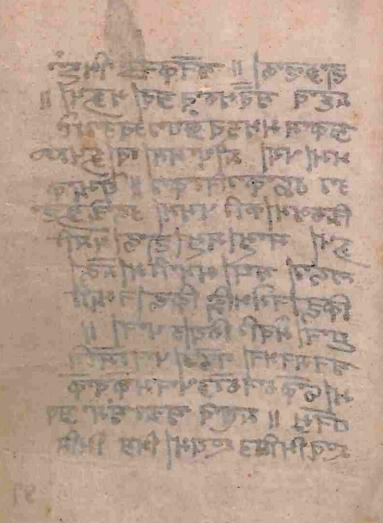
न्त्राएएं भारती । पार मिर्ग पिलापया उपम मिडी लिनारी 3 निविद्य रिश्यक्ति दिल्लन भिने म ना भना । यस गर्भ माम रव भद्रिए भंयाद्ध वीरवी नाष्ट्रियो पनि CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri



किंग्न अहापापी पारुभक्ष कुउ **6ाम** ।देशभायाकारेनाके उ भना गणलंडा भन्या मुर्व स्थाग्यस्य अकि हि वन्नरजला नाभना गर्ड । उ मन्द्रयाय नक्यि प्या आ नप्रशास्य इसा उभान इया उसा न भिग्भ राय पुयम मियानिलवमभदः इउमा

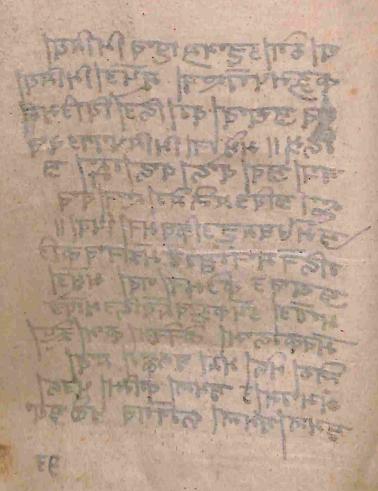


राक्रणा ॥ जनकन्यप्रभूष्ट प्रस्व मन्भवन् ज्वा भड्या। मुक्म भभरत क्राण उत्रारि अधियममा उरा ग्रह के निरक्य ॥ विक्थमा करि प्रमा उद्येष इस मंभूम् हेडिय लंदग स्या भूगांभारह भारे किस ने मन्त्री भेवी वियोज परना न्त्रनमन्भन। गर्डे । पन्मिय मा ७ करन हाउ भनमक्र क पन्ध ॥ स्ट्राच मुक्त मुमा अव स्वीभीमा अस्यभा भिष्ठ भिमि



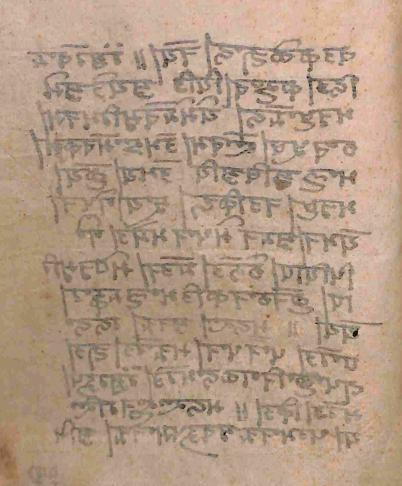
CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

या हेगा उद्यम् शहा भिषिया म्अंपराक्त म्पर्गिमिय नव उचाव वग दिने वि हिस्। भर्मे निमिय्राम्य वन ममा अव वर्षा वद्या अ द्धां अपि मने मेग रेपना वेप म्मिष्यम् इंग्रिष्मा थिवा॥ रिंदिमान्याम् भेरान्यक्रि इयन के के अभवी गरी भंगेंडी भगाउ उभक्टवस्वित्रभावा सवकादाभा केनेना कार्भिक्रप निर्वा भेरा भरा मुद्रुष्ट्री भामग्रमा क्रिमा पुरद्रा मुभनाम्भना कारा 33



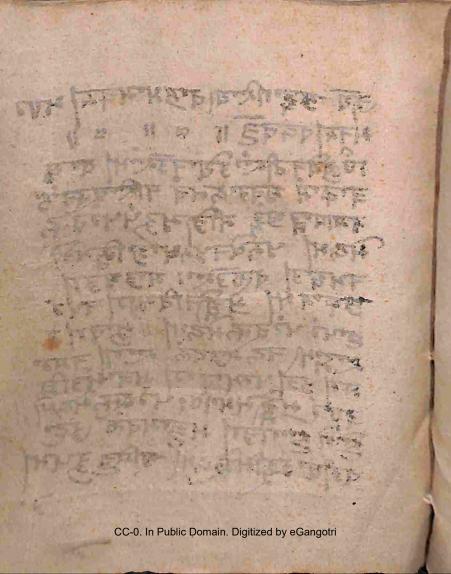
CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

थि। मुर्ये उम्मे भन्धाम्या यसम्बन्धार क्तिमा उभक्तभव विस्वियं उभया क्य नडाक्फ म्या चभन जमन भेपन भमें थियाप ठेउ मजना भवन ाप क्रनेरनकिं भण्न म भद्ररा अनुसा गर्ड गरा भारा भन्न भन्न वर क्रान्गकद्भग्डा भ ग्डाकिडा।। भद्रस्ट

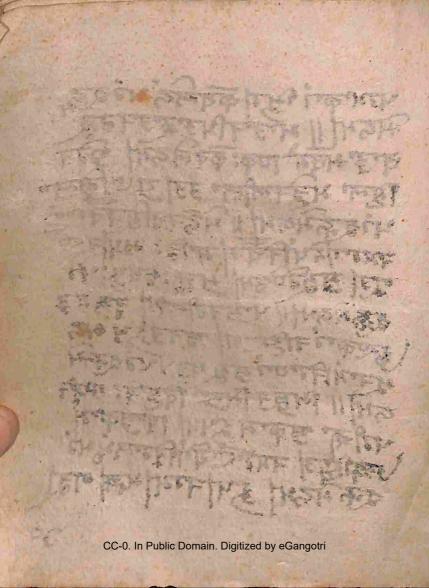


CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

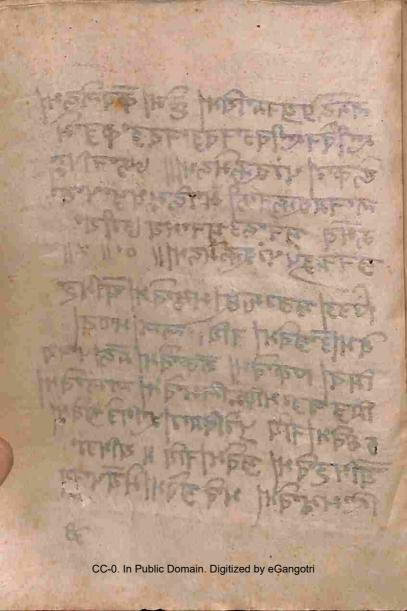
ज्य ज्यानिस्या वण्डभाभवमा भगा भन्म वडवरा। अ॥ ार्ध अयेन डीर्ट जियानु उस्टाम वाष विकास म्वराहमच निर्वेद्धा नमापञ्च छत्र मीजाभुउपप भद्रभा भूर्यसम्भित्रिम नभक्ष वलग्रः मञ्जू जनमभा अञ्चलविस्त्रगानकः रूपा पार्किमंद्रभा ॥ भुवा राष्ट्रभ। नद मञ्चल प्रम उरा परम कर्ग सन्त



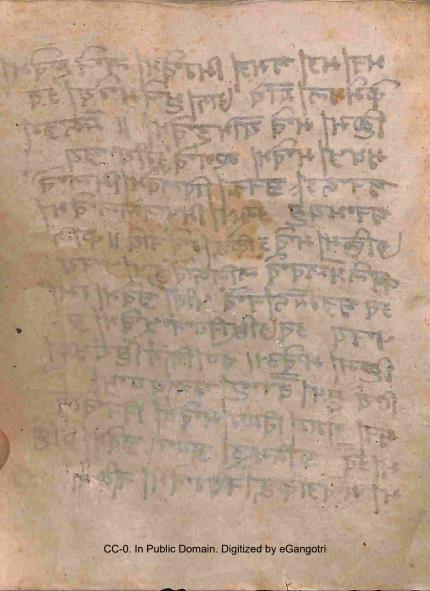
भागकां भिराक्वलं भांद्र मदभा॥ भर्जनिपश्रक्ष अवत व उभव्मी एकः करे ने दमी जीन मिला भेड्नलीला उउ यु एकिला भारकमेडमी॥ भेडनकि निकार् नमग्गिमधनिचेंग्रा मात्रिः भर्भन्थ प्रा अक्रिक्स मक्षः भग्नः भाग बक्रमद्रभा। पर्यन्तीरूभा नुक्रमः । इल्कणं निरुएण मनने भे भद भूतामिता वा मुस् भुत्रे पांदक्त कमी।। भिष्ठत भिट्ट विद्यः प्यान भीका जकम उपम् ।पजका उन्हार्ड । नमान्ट्यमित्रग्लभंभा वक्मदभी जुपानग्माभना गहा



नमद्र प्रयुनम् रिभी कुमी करनेद्रभी र्टीचेन टीव अन्वरं नव इ'क इमें क्रकार परवक्तेभेडभा एकनाभि मानमक्तिगरी भारिस्थपुरण्या क्रभव स्वरूदे म्वरभय । ग्रीयर क्राम् इप्रशंबक्षिद्रभा॥ ००॥ ४॥ जिंडडी मडामाधी भर्मा यभिश विभाउँ खिभा निया, नामण्या भिवी एक विभा कक विभा महा पेनय मिउ पर्भाष्ट्रिलिभावेभी लल्लेन इ छविभानिय जीविमणीयागि अविभा चाभरितेभा उत्भानियं ॥ यभिजा स्मिश्चिम भिन् मुवेभी भैयपन्य

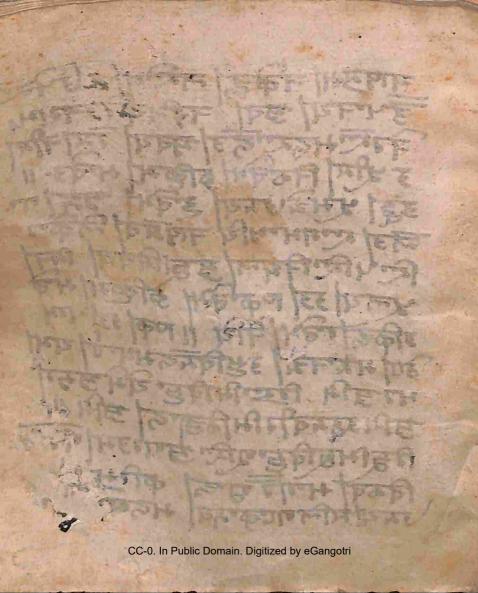


भन्न भन्न भाग निम्ने हरीमा क्भेभना मारा 'अना स्नेभागा उव किमा भव याभरवेमा ॥ मिन्डर मध्य भविभा क्षणचे अयि अय न्त्र अन्त्र विलवेभीभन्ति म्बन्भयष्ट उद्भी भिपन्नेनचिभा प्रिमा भावे उकिहा गरें नाये ॥ कान क्तिमलवार्वे नानंदाचे उपापपय उत् मुज्यमिद्र नित्र शीवी स्विभी गर्मा भाग्य उत्डिधिनिणनं अतिभी क्र ष्टिमा भावें आ वर्ण त्रियं दियं प्रका क्यं हमा बग्ट मन्यंय एमा भाउत छोरभु अमर्ग छवभ इहि भा भविउकिद्वां स्थारिवेभी निर्ा



नापम्भा निक्दा नरिभा अभिक्राउनभूष नग्रमदराई अम्वयो ग्रानीमा उ भीमा निरुषेभे इष्टिभी भवितः॥ डड़ा भूमग्रेषमया रचिमा मुद्गाण अं रणभण्ययं नलम्बे निकंग स्टिपिस्तिम्न महामिनयां पन उकिद्धारिय नियं। एका उर्ग पाम ्रण भरत्या उधविम्द्रभंभूणी यभी भा मुभि ग्रिष्टभाविष्ट येभ मुम्म नुभग्रमवी।भिविद्यादा जीम विद्याभहितृष्ट्र थरि अगोजभादः विरुवी भगाउँ पुटि क्रिम जस्या मिलगएक मय भदर

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri



उत्राहिण हुन ल अकालाने फ्रांडे भे युक्र निका भरता वगानि मुर्एगभग

